एक नजर में

निरीक्षण के दौरान ओपीडी से अनुपस्थित मिले विशेषज्ञ

भोपाल: सीएमएचओ मनीष शर्मा ने शुक्रवार को निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर में शिशु रोग विशेषज्ञ डा. प्रगति पटेल और निश्चेतना विशेषज्ञ डा. राहुल जैन बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिन्हें शोकाज नोटिस जारी किया है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुगलिया हाट और कुराना बंद पाए गए। यहां पदस्थ अधिकारियों को सात दिन के वेतन कटौती का नोटिस जारी किया है। -नप्र

अध्यक्ष ने व्यवस्था व विकास कार्यों की ली जानकारी

भोपाल: जीएमसी में कार्यकारिणी समिति की नवनियुक्त अध्यक्ष आइएएस डा. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने विभागाध्यक्षों एवं समिति सदस्यों से परिचय प्राप्त किया और विभागों की गतिविधियों, उपलब्धियों और समस्याओं की जानकारी ली। कालेज की विभिन्न शाखाओं के नोडल अधिकारियों से भी प्रबंधन व संचालन संबंधी विषयों पर चर्चा की। उन्होंने हमीदिया अस्पताल एवं जीएमसी की कार्यप्रणाली के संबंध में डा. कविता एन. सिंह और अस्पताल अधीक्षक डा. सुनीत टंडन से जानकारी ली। -नप्र

गलत इंजेक्शन लगाने से बच्चे की मौत, एम्स भोपाल के दो नर्सिंग अफसरों पर केस दर्ज

फर्मेलिन से भरी सिरिंज बेड के पास छोड़ने और बिना जांच किए इंजेक्ट करने का आरोप

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में उपचार के दौरान तीन वर्षीय बच्चे की मौत के मामले में बागसेवनिया पुलिस ने दो नर्सिंग अधिकारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। जांच में सामने आया है कि बच्चे को गलती से फर्मेलिन जैसा खतरनाक रासायनिक पदार्थ इंजेक्ट कर दिया गया था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने एक नर्सिंग अधिकारी पर लापरवाही और दूसरी पर खतरनाक रसायन को असुरक्षित तरीके से रखने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सागर जिले के बीना क्षेत्र के कोरजा गांव निवासी तीन वर्षीय सार्थक यादव को 15 दिसंबर 2025 को बुखार की शिकायत के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल के पीडियाट्रिक वार्ड-2 में भर्ती कराया गया था। वह बी-एएलएल (बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया) बीमारी से पीड़ित था।

रासायनिक लिक्विड जाते ही अचेत हो गया था बच्चा: रसायनिक लिक्विड शरीर में जाते ही बच्चा अचेत हो गया। उसे तत्काल पीआइसीयू में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बावजूद सुबह 8:45 बजे उसकी मौत हो गई। मर्ग जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, गवाहों के बयान और एम्स भोपाल की आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट में मौत का संबंध फर्मेलिन इंजेक्शन से पाया गया। इसके आधार पर पुलिस अधिकारियों ने दोनों नर्सिंग अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन महीने तक बीना के थाने में रही मर्ग डायरी, फिर भेजी भोपाल : 17 दिसंबर को बच्चे की मौत के बाद एम्स भोपाल ने बीना के थाने में इसकी जानकारी दी थी। तब शंका थी कि बच्चे की मौत बीमारी के कारण हुई है, लेकिन जब पुलिस की जांच में डाक्टरों की गलती से मौत होने का खुलासा हुआ। जिसके बाद 20 मार्च को केस डायरी को भोपाल के बागसेवनिया पुलिस थाने में भेजा गया। गुरुवार को बागसेवनिया पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिस फर्मेलिन से गई जान उसे नर्स बाहर से लाई थी

16 दिसंबर को उसकी बोन मैरो एस्पिरेशन और बायोप्सी होना थी। इसके लिए जरूरी फर्मेलिन लिक्विड अस्पताल में उपलब्ध नहीं था, लेकिन नर्सिंग अधिकारी अनुका गुजराती मार्केट से फर्मेलिन से भरी 10 एमएल की सिरिंज लेकर आई थीं। हालांकि प्रक्रिया स्थगित हो गई, लेकिन सिरिंज को नष्ट करने या सुरक्षित रखने के बजाय उसे मरीज के बेड के पास रखे लाकर पर छोड़ दिया गया। अगले दिन 17 दिसंबर की सुबह करीब 7 :15 बजे सार्थक की आइवी लाइन चोक हो गई। इस दौरान ड्यूटी पर मौजूद नर्सिंग अधिकारी मधुबाला शर्मा ने बिना लेबल और सामग्री की जांच किए लाकर पर रखी सिरिंज उठा ली। आरोप है कि बच्चे के पिता सिद्धार्थ यादव ने उन्हें कई बार चेतावनी दी कि सिरिंज में आइवी फ्लश नहीं है, फिर भी उन्होंने उसे बच्चे की नस में इंजेक्ट कर दिया।

नवविवाहिता की फांसी छुपाकर पति ने बताया था सड़क हादसा, गिरफ्तार कर भेजा जेल

- खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज, युवक की मां भी आरोपित
- मृतका के मोबाइल फोन में मिला था सुसाइड नोट

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: बैरागढ़ थाना क्षेत्र के संजय नगर में नवविवाहिता और गर्भवती महिला भारती मेवाड़ा (30) की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस जांच में महत्वपूर्ण खुलासे हुए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ है कि महिला की मौत फांसी लगने से हुई थी। जबकि घटना के बाद उसके पति ने पुलिस और स्वजनों को गुमराह करने के लिए इसे सड़क हादसा बताने की कोशिश की थी। मामले की जांच के दौरान मृतका के मोबाइल फोन से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसके आधार पर पुलिस ने पति विकास मेवाड़ा और उसकी मां रजनी के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पहले पुलिस को किया गुमराह: पुलिस के अनुसार छह जून की दोपहर करीब 12 बजे भारती मेवाड़ा ने अपने घर में फांसी लगा ली थी। घटना की जानकारी विकास के छोटे भाई ने उसे फोन पर दी थी। इसके बाद विकास घर पहुंचा और पत्नी को अस्पताल लेकर गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक पूछताछ में विकास ने पुलिस को बताया था कि वह अपनी गर्भवती पत्नी को अस्पताल लेकर जा रहा था। इसी दौरान उसका दुपट्टा बाइक के पहिये में फंस गया, जिससे गला दबने के कारण उसकी मौत हो गई।

मृतका भारती और आरोपित पति विकास मेवाड़ा। ● सौजन्य : पुलिस

जांच में सामने आई झूठी कहानी

हालांकि घटनास्थल का निरीक्षण और परिस्थितियों की जांच के दौरान पुलिस को पति की कहानी पर संदेह हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर विकास ने स्वीकार किया कि उसकी पत्नी ने कमरे में पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगाई थी। उसने यह भी माना कि घटना से पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था और उसने पत्नी के साथ मारपीट की थी।

एक साल पहले मुलाकात, फिर प्रेम विवाह : जांच में सामने आया कि भारती बैरागढ़ के मोची मोहल्ला क्षेत्र की रहने वाली थी। करीब एक वर्ष पहले उसकी मुलाकात कपड़े की दुकान पर काम करने वाले विकास मेवाड़ा से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध बने और लगभग पांच महीने पहले परिवार की इच्छा के विरुद्ध उन्होंने प्रेम विवाह किया था।

महिला मित्र के साथ जन्मदिन मना रहा था पति : पुलिस को मृतका के मोबाइल फोन से मिले सुसाइड नोट में उल्लेख मिला कि विकास के किसी अन्य महिला से संबंध थे। घटना से दो दिन पहले विकास अपने जन्मदिन पर उस महिला मित्र के साथ घूमने गया था, जिससे भारती मानसिक रूप से आहत थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद पहले महिला ने हाथ की नस काटकर जान देने की कोशिश की थी, फिर फांसी लगाई।

अंकुर कांप्लेक्स में परीक्षा से पहले एडवांस के नाम पर लाखों रुपये ऐंठे

फर्जी एनआइओएस खोला, 12वीं और पीएचडी के नाम पर रिटायर्ड एसआइ व जीएम से ठगी

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित अंकुर कांप्लेक्स में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) के नाम पर फर्जी कार्यालय संचालित कर एक शातिर ठग लोगों को 12वीं की परीक्षा, डिग्री और पीएचडी करवाने का झांसा देकर ठगी कर रहा था। रिटायर्ड पुलिस अधिकारी और एक निजी कंपनी के जनरल मैनेजर से 1.20 लाख की ठगी सामने आने के बाद हबीबगंज पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अभी आरोपित फरार है।

बावड़ियाकलां नीरज नगर निवासी श्रीनारायण शर्मा सेवानिवृत्त पुलिस सब इंस्पेक्टर हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि अप्रैल में सार्वजनिक स्थानों पर लगे बैनर व पोस्टरों में एनआइओएस से संबंधित जानकारी देखकर उन्होंने दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। वे अंकुर कांप्लेक्स कार्यालय पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात स्वयं को संस्थान का प्रतिनिधि बताने वाले प्रेम कुमार पवार से हुई।

मोबाइल बंद, कार्यालय में ताला डालकर फरार

इसी तरह चूनाभट्टी निवासी अमित खरे, जो एक निजी कंपनी में जनरल मैनेजर हैं। उन्होंने भी अपनी बेटी की 12वीं की परीक्षा एनआइओएस से कराने के लिए आरोपित से संपर्क किया था। प्रेम कुमार पवार ने उनसे विभिन्न शुल्क और प्रक्रिया के नाम पर 90 हजार रुपये एडवांस ले लिए। मई माह तक परीक्षा संबंधी कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने आरोपित से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला और कार्यालय भी बंद मिला।

बेटी की पीएचडी के लिए सेवानिवृत्त एसआइ ने किया था संपर्क : नारायण शर्मा अपनी बेटी को पीएचडी करवाना चाहते थे। आरोपित ने उन्हें प्रक्रिया पूरी कर परीक्षा कराने का भरोसा दिलाया। उसकी बातों में आकर उन्होंने 30 हजार रुपये एडवांस जमा कर दिए। आरोपित ने जल्द परीक्षा तिथि तय होने का आश्वासन दिया, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी कोई प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी।

दस्तावेजों की जांच कर रही पुलिस : दोनों पीड़ितों ने हबीबगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच कर रहे एएसआइ सुधाकर शर्मा ने बताया कि आरोपित ने चार महीने पहले कार्यालय किराए पर लिया था और इसी दौरान उसने कई लोगों से संपर्क किया है। शंका है कि उसने अन्य लोगों को भी जाल में फंसाया है। पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी है तथा उसके बैंक खातों और दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।

मंत्री के पहुंचने के बाद धरना-प्रदर्शन खत्म बीयू के कुलपति को छुट्टी पर भेजा

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में अकादमिक एवं प्रशासनिक अनियमितताओं के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा कुलपति कार्यालय के समक्ष चल रहा धरना प्रदर्शन 33 घंटे बाद शुक्रवार को समाप्त हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से मंत्रालय में मुलाकात करने के बाद विश्वविद्यालय पहुंचे। इसके बाद कुलगुरु को अवकाश पर भेज दिया गया। हालांकि, उच्च शिक्षा विभाग ने जो आदेश निकाला, उसमें 15 दिन का अग्रिम अवकाश स्वीकृत करने की बात कही गई है।

धरना स्थल पर पहुंचे उच्च शिक्षा मंत्री को आंदोलनरत विद्यार्थियों एवं अभाविप कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए विवि में व्याप्त अकादमिक एवं प्रशासनिक अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। इसमें एमबीए एवं अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लंबित

बीयू में एबीवीपी के नेतृत्व में दो दिन से धरने पर बैठे विद्यार्थी। ● सौ : संगठन

- घटनाक्रम से सरकार नाराज, मुख्यमंत्री से भेंट करने के बाद पहुंचे इंदर सिंह परमार

परिणाम, पुनर्मूल्यांकन में विलंब, अव्यवस्थित अकादमिक कैलेंडर, पीएचडी प्रवेश परीक्षा, नर्सिंग महाविद्यालयों की लंबित प्रवेश प्रक्रिया, संबद्धता में पारदर्शिता, शिक्षकों की भर्ती, छात्रावासों की समस्याएं तथा विश्वविद्यालय की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न मुद्दे शामिल रहे। विद्यार्थी की बात सुनने के बाद उच्च शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि कुलपति को अवकाश पर भेज दिया जाएगा। देर शाम उच्च शिक्षा विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए। इस पर अभाविप ने आंदोलन स्थगित करने की घोषणा की। परिषद प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि यह केवल अभाविप की नहीं, बल्कि यह बीयू की जीत है।

बुखार से तड़पता रहा यात्री, मेडिकल स्टाफ पर लापरवाही बरतने का आरोप

- 20103 एलटीटी-गोरखपुर एक्स में 20 वर्षीय युवक की मौत
- वरिष्ठ मेडिकल सहायक के ट्रेन तक नहीं पहुंचने का आरोप

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) से गोरखपुर जा रही ट्रेन संख्या 20103 में एक यात्री की मौत के बाद रेलवे की मेडिकल व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। आरोप है कि यात्री की हालत बिगड़ने के बावजूद उसे समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल सकी, जिससे उसकी जान चली गई।

बुखार और कंपकंपी से बिगड़ी थी हालत : जानकारी के अनुसार, 20 वर्षीय नीरज कुमार एलटीटी से गोरखपुर की यात्रा कर रहे थे। सफर के दौरान उन्हें तेज बुखार आ गया और शरीर में लगातार कंपकंपी होने लगी। हालत खराब होने पर यात्रियों ने रेलवे से तत्काल मेडिकल सहायता की मांग की।

वरिष्ठ कर्मचारी नहीं पहुंचे, छात्रों को भेजने का आरोप : यात्रियों का आरोप है कि स्टेशन पर मौजूद वरिष्ठ मेडिकल सहायक खुद मरीज को देखने ट्रेन तक नहीं पहुंचे। उनकी जगह दो नर्सिंग छात्रों को भेज दिया गया, जो प्रथम वर्ष के विद्यार्थी बताए जा रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि मरीज की स्थिति गंभीर थी और ऐसे समय में अनुभवी मेडिकल स्टाफ का मौके पर पहुंचना जरूरी था।

समय पर इलाज मिलता तो बच सकती थी जान : प्रत्यक्षदर्शियों और यात्रियों का कहना है कि यदि समय रहते उचित चिकित्सा सहायता मिल जाती तो शायद यात्री की जान बचाई जा सकती थी। उनका आरोप है कि मेडिकल टीम की लापरवाही के कारण स्थिति और गंभीर होती गई।

आपातकालीन व्यवस्था पर सवाल: घटना के बाद रेलवे की इमरजेंसी मेडिकल व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यात्रियों का कहना है कि ट्रेन में किसी भी मेडिकल आपात स्थिति के दौरान अनुभवी स्टाफ की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

टीईटी की तैयारी में जुटा स्कूल शिक्षा विभाग

आंदोलन की तैयारी में शिक्षक संगठन, पीएम व केंद्रीय शिक्षा मंत्री को देंगे ज्ञापन

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा आयोजित करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। टीईटी का आयोजन जुलाई और अगस्त में किया जा सकता है। इस परीक्षा में प्रदेश के करीब डेढ़ लाख से अधिक शिक्षक शामिल होंगे। लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त द्वारा शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया गया है कि परीक्षा के लिए पाठ्य सामग्री आनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। इससे शिक्षक घर बैठे अध्ययन कर परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे। विभाग सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप गाइडलाइन जारी करने की तैयारी भी कर रहा है। वहीं विभाग यह भी विचार कर रहा है कि वर्ष 2005 से 2009 के बीच व्यापमं से चयनित शिक्षकों को टीईटी के दायरे में शामिल किया जाए या नहीं। इस संबंध में विधि विशेषज्ञों से राय ली जा रही है।

आंदोलन का किया ऐलान: टीईटी को लेकर प्रदेश और देशभर के शिक्षक संगठनों में चिंता का माहौल है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने 5 सितंबर, शिक्षक दिवस पर दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन करने की तैयारी में है। मप्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा. क्षत्रवीर सिंह राठौर एवं प्रदेश महामंत्री राकेश गुप्ता ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के 29 मई 2026 के निर्णय के अनुसार कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करना होगा। संघ का कहना है कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की नियुक्तियां उस समय के नियमों के अनुसार वैध रूप से हुई थीं। इसलिए उनके सेवा अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा के लिए संसद में आवश्यक संशोधन लाए। इसी मांग को लेकर 18 जून को सभी जिलों में कलेक्टरों के माध्यम से पीएम-केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म किया फिर शादी तोड़ी मंगेतर पर केस दर्ज

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: निशातपुरा थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के मंगेतर ने ही वारदात को अंजाम दिया है। उसने घर में अकेला पाकर पीड़िता से जबरन संबंध बनाए और फिर शादी तोड़ दी। रिश्ता टूटने पर पीड़िता ने स्वजनों को वारदात के बारे में बताया, जिसके बाद निशातपुरा थाने में शिकायत की गई। पुलिस ने आरोपित मंगेतर के खिलाफ केस दर्ज किया है। 17 वर्षीय पीड़िता निशातपुरा थाना क्षेत्र में रहती है। उसके पिता प्राईवेट नौकरी करते हैं। पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

भिंड डीईओ के निलंबन प्रस्ताव पर एक माह बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

नवदुनिया प्रतिनिधि,भोपाल: भिंड जिले के डीईओ आरडी मित्तल के खिलाफ संयुक्त संचालक द्वारा भेजे निलंबन प्रस्ताव पर एक माह से अधिक समय बीतने के बावजूद लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय द्वारा कार्रवाई नहीं की गई है। इस संबंध में कई बार शिकायत भेजी। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, ग्वालियर संभाग अरविंद सिंह ने 2 अप्रैल को डीईओ के विरुद्ध निलंबन एवं विभागीय कार्रवाई का प्रस्ताव आयुक्त को भेजा था, लेकिन निर्णय नहीं हो सका है। प्रकरण सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक नंदलाल दोहरे के विरुद्ध चल रही विभागीय जांच से जुड़ा है। जांच अधिकारी नियुक्त किए जाने के बाद भी डीईओ द्वारा समय-सीमा में जांच प्रतिवेदन, प्रस्तुतकर्ता अधिकारी की ब्रीफ, कार्यवाही विवरण, नोटशीट तथा अन्य अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए।

स्वास्थ्य कर्मचारियों को टीबी से सुरक्षित रखने की एम्स में नई पहल

नवदुनिया प्रतिनिधि,भोपाल: एम्स भोपाल में सीवाई-टीबी टेस्ट आधारित टीबी सर्विलांस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र, शेयर इंडिया, टीबी कोर कमेटी तथा एम्स भोपाल के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सकों, नर्सों, प्रयोगशाला तकनीशियनों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों में टीबी संक्रमण की समय पर पहचान करना, संक्रमण के प्रसार को रोकना तथा आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र उपचार उपलब्ध कराना है। इससे स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ मरीजों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकेगी। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन डा. दीपा पारख सुराना, स्टेट प्रोजेक्ट आफिसर, शेयर इंडिया (मध्य प्रदेश) ने किया। उन्होंने इस पहल को टीबी नियंत्रण की दिशा में अहम कदम बताया। मुख्य अतिथि एम्स के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डा.) माधवानन्द कर ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मी प्रतिदिन मरीजों के संपर्क में रहते हैं, जिससे उनमें टीबी संक्रमण का खतरा अधिक होता है। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी को इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
क्षेत्रीय कार्यालय : भोपाल
ई-नीलामी की सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8 (6) का परन्तुक देखें]

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

सर्वसाधारण को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहां है, जैसी है और जो है जैसी है"** के आधार पर निम्न ऋणियों से सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार की निम्न वर्णित बकाया राशि की वसूली हेतु ई-नीलामी द्वारा निम्नवर्णित दिनांक को बेची जाएगी। आरक्षित मूल्य और अग्रिम धनराशि निम्नलिखित है।

खाते / ऋणी का नाम एवं पता	बंधक संपत्तियों का विवरण एवं संपत्ति स्वामी का नाम	मांग नोटिस दि. / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड वृद्धि राशि
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, जेल रोड शाखा, भोपाल			
ऋणी- **श्री विष्णुकांत कुशवाह पुत्र श्री बी.पी. कुशवाह एवं मेसर्स माँ वैष्णो इंटरप्राइजेज प्रोपराइटर- श्री विष्णु कांत कुशवाह पुत्र श्री बी.पी कुशवाह**	एक रिहायशी प्लाट नं. 245, खसरा नं. 152, 162/1/1,162/1/2, 162/3/1, 162/3/2 का भाग, क्षेत्रफल 135 वर्गमीटर या 1453.12 वर्गफीट स्थित जय दुर्गे गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित 'दुर्गेश विहार' ग्राम नरेला शंकरी, मुख्य सड़क के अंदर, वार्ड क्रमांक 66, तहसील हुजूर, जिला भोपाल संपत्ति मालिक- श्री विष्णु कांत कुशवाह पुत्र श्री बी.पी. कुशवाहा चर्तुसीमाएं- उत्तर-प्लाट नं. 248, दक्षिण- 25 फिट रोड, पूर्व- प्लाट नं. 244, पश्चिम- प्लाट नं. 246	10.02.2026 / 20.05.2026 / दिनांक 10.02.2026 को ₹ 86,87,004.33 +दिनांक 10.02.2026 से ब्याज एवं खर्चे	₹ 65,43,000/- / ₹ 6,54,300/- / ₹ 10,000/-
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, गुलमोहर शाखा, भोपाल			
ऋणी- **मेसर्स हर्षद मेटल कास्टिंग इंडस्ट्रीज** पार्टनर्स: **1. श्री हर्षद पराते 2. श्रीमती एकता पराते** **यूनिट का पता:** प्लॉट नंबर 527/1 ग्राम-झागरिया खुर्द, तहसील हुजूर, जिला- भोपाल, म.प्र.-462044 **एवं ऑफिस पता:** शॉप नं. 01, मेन रोड रातीबड़, तहसील हुजूर, जिला- भोपाल म.प्र.- 462044 **एवं रिहायशी पता:** म. नं. 1249, वार्ड नंबर 11, श्रीराम कॉलोनी, चंदनगांव, जिला- छिंदवाड़ा म.प्र.- 480001 **एवं** फ्लैट नंबर 304, महिंद्रा प्लेटिनम बिल्डिंग, महिंद्रा ग्रीन वुड्स, होशंगाबाद रोड, भोपाल,म.प्र.-462047	कमर्शियल डायवर्टेड भूमि क्षेत्रफल- 2020 वर्गमीटर स्थित खसरा नंबर 527/1/2, सेंट थेरेसा सेमिनरी के पास, सीहोर भोपाल रोड, गाँव झगरिया खुर्द तहसील हुजूर जिला भोपाल, म.प्र.-462044 में श्रीमती एकता पराते पत्नि श्री कमलेश पराते के नाम पर पंजीकृत बिक्री विलेख संख्या MP059702021A1516291 दिनांक 01-07-2021 के अनुसार उप/संयुक्त रजिस्ट्रार भोपाल के साथ पंजीकृत (संपत्ति का विवरण विलेख के अनुसार) एवं उस पर स्थित प्लांट एवं मशीनरी **संपत्ति मालिक-** श्रीमती एकता पराते एवं श्री हर्षद पराते चर्तुसीमाएँ: उत्तरः प्रधानमंत्री रोड, दक्षिणः बिके हुए खसरा की शेष भूमि, पूर्वः खसरा नंबर 572/2 की भूमि, पश्चिमः बिके हुए खसरा की शेष भूमि	12/09/2025 / 08/12/2025 / दि. 12.09.2025 को ₹ 1,03,48,415.19 +दिनांक 13/09/2025 से ब्याज एवं खर्चे	₹ 72,89,700/- / ₹ 7,28,970/- / ₹ 10,000/-

ईएमडी जमा करने की दिनांक एवं समय : 14.07.2026 को सायं 4.00 बजे या उससे पूर्व
ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 15.07.2026 को सुबह 10.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक
संपत्ति निरीक्षण दिनांक : 06.07.2026 को दोपहर 3.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट www.centralbankofindia.co.in अथवा http://BAANKNET देखें।
तारीख : 12.06.2026, स्थानः भोपाल
प्राधिकृत अधिकारी

Jagran
नवदुनिया
नवदुनिया TRIPLE धमाका ऑफर
SUPER-15 ड्रा-4

सुपर15 के विजेताओं को बधाई!!

ब्लूटूथ ईयरबड्स के विजेता

यादविंदर सिंह, शाहबाद,	कुरुक्षेत्र	हरियाणा	XXXXXX1345
इशिता गुप्ता, बहादुरगंज	शाहजहांपुर	उत्तर प्रदेश	XXXXXX3946
लाल सिंह, गांव धवाना	रेवाड़ी	हरियाणा	XXXXXX0350
जोगिंदर पाल, बैंक कॉलोनी, गुरदासपुर	पठानकोट	पंजाब	XXXXXX8935
भूपिंदर सिंह, नांगल टाउनशिप	रोपड़	पंजाब	XXXXXX5429
विकास शर्मा, जागृति विहार	मेरठ	उत्तर प्रदेश	XXXXXX8103
अभिषेक जिंदल, हसनपुर	अमरोहा	उत्तर प्रदेश	XXXXXX4839
दिलीप कुमार, दुर्गा नगरी	अबोहर	पंजाब	XXXXXX8900
अंकित कुमार, डोईवाला	ऋषिकेश	उत्तराखंड	XXXXXX0199
कविता वर्मा, नायगंज वार्ड	बलोदाबाजार	छत्तीसगढ़	XXXXXX6774
नरेंद्र, विनय नगर	ग्वालियर	मध्य प्रदेश	XXXXXX8996
आराध्या कुमारी, केनाउवा	नवादा	बिहार	XXXXXX6162
हर्षित चौधरी, बिरता गांव	कांगड़ा	हिमाचल प्रदेश	XXXXXX1459
मूल चंद्र शर्मा, गोविंद धाम	आगरा	उत्तर प्रदेश	XXXXXX6707
राजेश शर्मा, सुभाष नगर	जम्मू	जम्मू	XXXXXX1647
अनंत श्रीवास्तव, मूरतगंज	कौशांबी	उत्तर प्रदेश	XXXXXX7181
शुष्मा कुमारी, कैलाशपुरी	सीतामढ़ी	बिहार	XXXXXX7221

आयरन के विजेता

मीनु नेगी, दुर्गा विहार	विकास नगर	उत्तराखंड	XXXXXX6317
रेनू शुक्ला, चचाई	अनूपपुर	मध्य प्रदेश	XXXXXX4398
पुष्पेंद्र कुमार, मांझनपुर	कौशांबी	उत्तर प्रदेश	XXXXXX7034
नरेंद्र सिंह, मधु नगर	आगरा	उत्तर प्रदेश	XXXXXX3666
संजय कुमार, पंचरुखी	कांगड़ा	हिमाचल प्रदेश	XXXXXX2224
हिमाचल सिंह लोधी, पुलिस कॉलोनी	ग्वालियर	मध्य प्रदेश	XXXXXX3178
मनोरमा दुबे, कोनिया सट्टी	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	XXXXXX5025
मनोज कुमार त्रिपाठी, गांव बैरती	अल्मोरा	उत्तराखंड	XXXXXX1796
सिया रानी, सेक्टर-4	भिलाई	छत्तीसगढ़	XXXXXX0390
संध्या अग्निहोत्री, खालिसी नगर	कानपुर	उत्तर प्रदेश	XXXXXX6553
कृतिका शर्मा, गीतांजलि कॉम्प्लेक्स	भोपाल	मध्य प्रदेश	XXXXXX4735
रश्मी रानी गुप्ता, बाकरगंज	पटना	बिहार	XXXXXX2542
गीता देवी लिंबू, सुकना,	दार्जिलिंग	पश्चिम बंगाल	XXXXXX4655
निर्मला शुक्ला, जीजीयू कोनी	बिलासपुर	छत्तीसगढ़	XXXXXX0139
सन्नी गिरधर, गांधी चौक	फाजिल्का	पंजाब	XXXXXX7800
संदीप जोशी, संदीप किराना	नीमच	मध्य प्रदेश	XXXXXX3096
केशव शर्मा, मुकुंद नगर	अलीगढ़	उत्तर प्रदेश	XXXXXX4914
भास्कर कुमार, सैनी बाजार	अमरोहा	उत्तर प्रदेश	XXXXXX8136
पवन कुमार, बारसोतिया	जमुई	बिहार	XXXXXX2709
शबाना खातून, जोड़ा तालाब	रांची	झारखंड	XXXXXX1284
रूपा मिश्रा, कर्माटांड	जामताड़ा	झारखंड	XXXXXX9894
मोनिका, गांव नीमली	चरखी दादरी	हरियाणा	XXXXXX4920
स्वयं प्रकाश सेठ, गणेशगंज	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	XXXXXX3508
संतोष सिंगला, सेक्टर 7	कुरुक्षेत्र	हरियाणा	XXXXXX2498

*विज्ञापन में दिखाए गए उपहार, वास्तविक उपहारों से भिन्न हो सकते हैं। नियम व शर्तें लागू.

अन्य पुरस्कारों के विजेताओं की सूची के लिए पढ़ते रहिए- नवदुनिया
नई सोच, नया अंदाज